विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -१९ - ०६ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज प्रत्यय शब्द के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रत्यय - परिभाषा, भेद और उदाहरण

प्रत्यय (हिन्दी व्याकरण) 'प्रत्यय' दो शब्दों से बना है- प्रति + अय। 'प्रति' का अर्थ है 'साथ में, पर बाद में; जबकि 'अय' का अर्थ 'चलने वाला' है। अत: 'प्रत्यय' का अर्थ हुआ, 'शब्दों के साथ, पर बाद में चलने वाला या लगने वाला, अत: इसका प्रयोग शब्द के अन्त में किया जाता है। प्रत्यय किसी भी सार्थक मूल शब्द के पश्चात् जोड़े जाने वाले वे अविकारी शब्दांश हैं, जो शब्द के अन्त में जुड़कर उसके अर्थ में या भाव में परिवर्तन कर देते हैं अर्थात् शब्द में नवीन विशेषता उत्पन्न कर देते हैं या अर्थ बदल देते हैं।

शब्दों के अंत में जुड़कर शब्दों के अर्थ में विशेषता लाने वाले शब्दांश, 'प्रत्यय' कहलाते हैं। प्रमुख प्रत्यय नीचे दिए जा रहे हैं :

संज्ञा बनाने वाले प्रमुख प्रत्यय

आई	चढ़ाई, पढ़ाई, लिखाई, धुलाई, पिटाई, सिलाई।
आहट	मुस्कराहट, घबराहट, चिल्लाहट, कड़वाहट।

आवट	मिलावट, लिखावट, दिखावट, सजावट।
आन	उड़ान, मिलान, लगान, उफान, उठान।
आव	छिपाव, बहाव, खिंचाव, लगाव।
ई	मजदूरी, तैराकी, नथनी, कथनी, तेज़ी, झिड़की।
अक	चालक, पालक, पावक, गायक, नायक।
ती	गिनती, बढ़ती, धरती, भरती, फबती।
ना	पढ़ना, लिखना, देखना, खेलना, सोना।
नी	कतरनी, धौंकनी, छननी, ओढ़नी।

ता	शिशुता, मनुष्यता, दानवता, मानवता, दासता।
त्व	पुरुषत्व, बंधुत्व, स्त्रीत्व, नारीत्व, व्यक्तित्व।